प्रशासन गंभीरः शव का पोस्टमार्टम कराया, चिकित्सा जगत में शोक

डॉ हेमलता के निधन के बाद प्रापर्टी विवाद और गहराया

हरिभूमि जबलपुर।

प्रापर्टी हड़पे जाने के विवाद के बाद सुर्खियों में आईं जिला अस्पताल से सेवानिवृत्त डॉ हेमलता श्रीवास्तव का उपचार के दौरान मेडिकल कालेज अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन के बाद अब उनकी करोड़ों रुपये की संपत्ति फिर सुर्खियों में आ गई है।

यह पूरा मामला जिला व पुलिस प्रशासन के संज्ञान में है। एसडीएम कोर्ट में मामले की पूरी जांच चल रही है। आरोप है की उनके पड़ोस में रहने वाले एक चिकित्सक दंपत्ति सुमित जैन और प्राची जैन ने दानपत्र के आधार पर संपत्ति अपने नाम करा ली। वहीं गायत्री मंदिर ट्रस्ट ने भी आधी संपत्ति दान के रूप में हासिल कर ली। इस मामले में डॉ हेमलता श्रीवास्तव का एक वीडियो भी वायरल हुआ था। जिसमें उन्होंने कहा था की उन्हें धोखे में रखकर बेसुधी की हालत में अस्पताल के पेपर बताकर दस्तखत कराए गये। अभी तक हुई जांच में यह बात सामने आई है की जांच समिति के सामने डॉक्टर हेमलता ने अपने बयान दिये जिसमे कहा कि 11 हजार स्क फीट जमीन जैन संपत्ति ने ले ली है और उसमें 750 वर्गफुट जमीन पर डॉ हेमलता श्रीवास्तव के पति स्व बीएल श्रीवास्तव और पुत्र रचित श्रीवास्तव मेमोरियल बनाने की बात भी कही गई। इस बात का उल्लेख कथित तौर पर कराई गई रजिस्ट्री में भी है।

कराया गया डॉक्टर का पोस्टमार्टम

सूत्रों का कहना है की हेमलता श्रीवास्तव लगातार बीमार चल रहीं थीं इसी दौरान सभी घटनाक्रम हुये। दावा तो यह भी किया जा रहा है की उनके अंगूठे में सियाही के निशान थे, संभवता अस्पताल में ही बेसुधी की हालत में उनके अंगूठे का निशान लिया गया। इससे मामला और गहरा गया है। चूंकी मामले की जांच जिला प्रशासन द्वारा कराई जा रही है। लिहाजा पार्दर्शिता की दृष्टि से डॉक्टर हेमलता श्रीवास्तव का पोस्टमार्टम कराया गया है। वे कुछ दिनों से वेंटीलेटर पर थीं। पूर्व में उन्होंने अपने बहन बहनोई पर भी गंभीर आरोप लगाए थे। अब डॉक्टर हेमलता का निधन हो जाने के बाद एक चर्चा यह भी है की अभी इस प्रापर्टी विवाद में कुछ बिल्डर और उनके नजदीकी लोग भी इस दावे के साथ सामने आ सकते हैं की उन्होंने डॉ हेमलता श्रीवास्तव के हस्ताक्षर व अंगूठे के निशान लगवा कर प्रापर्टी की रजिस्ट्री करवा ली है। कहा तो यह भी जा रहा है की दो की लड़ाई में तीसरे का भला हो सकता है। विवादित प्रापर्टी नगर निगम के नाम दर्ज हो सकती है।

प्रशासनिक जांच जारी

बताया जा रहा है कि राजस्व विभाग के अधिकारी दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं और संबंधित पक्षों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। प्रशासन का कहना है कि डॉ। श्रीवास्तव के निधन के बावजूद जांच प्रक्रिया जारी रहेगी। चूंकि मामला गंभीर आरोपों से जुड़ा है, इसलिए कलेक्टर कार्यालय भी इस पर नजर बनाए हुए है। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि उत्तराधिकार और संपत्ति के स्वामित्व को लेकर प्रशासन आगे क्या निर्णय लेता है। फिलहाल शहर में डॉ। श्रीवास्तव के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी जा रही है।

- 3 माह में 3,216 पर कार्रवाई, ₹48.44 लाख वसूले
- उड़नदस्ता की सख्ती से बसों में हटाईं इमरजेंसी गेट के सामने की सीटें, 30 वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र निरस्त

अनफिट और ओवरलोड वाहनों पर कड़ा प्रहार

जबलपुर। परिवहन आयुक्त उमेश जोगा के निर्देश पर जबलपुर संभाग में परिवहन विभाग द्वारा सड़कों पर दौड़ रहे अनफिट, ओवरलोड और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड (उड़नदस्ता) की टीम विभिन्न स्थानों पर विशेष वाहन चेकिंग कर रही है। कार्रवाई मोटर व्हीकल एक्ट एवं मप्र मोटर व्हीकल टेक्सेशन एक्ट के प्रावधानों के तहत की जा रही है। टीम द्वारा ट्रक, यात्री बस और अन्य व्यावसायिक वाहनों की फिटनेस, परमिट, टैक्स, बीमा, ओवरलोडिंग तथा सुरक्षा उपकरणों की गहन जांच की जा रही है। विशेष रूप से अनफिट और खतरनाक स्थिति में संचालित ट्रकों पर निगरानी बढ़ाई गई है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

पिछले तीन माह में कुल 3,216 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए ₹48,44,200 का राजस्व वसूल किया गया। दस्तावेजों की कमी, कर अदायगी में लापरवाही और अन्य नियम उल्लंघनों पर चालानी कार्रवाई की गई। उड़नदस्ता की विशेष मुहिम प्रभारी राजेंद्र साहू ने यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उड़नदस्ता दल ने 30 से 50 यात्री बसों की जांच की। जांच के दौरान कई बसों में इमरजेंसी गेट के सामने लगी सीटें और डिवाइडर हटवाए गए, ताकि आपात स्थिति में यात्रियों को सुरक्षित निकास मिल सके। इसके अलावा करीब 30 वाहनों में गंभीर मैकेनिकल खामियां पाए जाने पर उनके फिटनेस प्रमाणपत्र निरस्त कर दिए गए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ओवरलोड ट्रक, ब्रेक फेल या तकनीकी रूप से खराब भारी वाहन सड़क पर जानलेवा साबित हो सकते हैं। ऐसे वाहनों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी है।

आज एक साथ उठेंगी पांच अर्थी

जयपुर हादसे में मारे गये लोगों के शव जबलपुर पहुंचे

जबलपुर। जयपुर में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में जान गंवाने वाले जबलपुर के पांच श्रद्धालुओं को आज एक साथ अंतिम विदाई दी जाएगी। सोमवार सुबह शहर में उस समय भावुक दृश्य देखने को मिलेगा, जब पांचों की अर्थियां एक साथ उठेंगी। हादसे की खबर से पहले ही शोक में डूबे परिजनों और परिचितों के बीच मातम पसरा हुआ है। गौरतलब है कि जयपुर में एक सड़क हादसे में जबलपुर के ग्रीन सिटी निवासी एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई थी। रविवार को पोस्टमार्टम और कानूनी औपचारिकताओं के बाद शव एम्बुलेंस के जरिए जयपुर से जबलपुर लाए गए। देर रात शहर पहुंचने के बाद अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू की गईं। आज सोमवार सुबह लगभग 10 बजे सभी मृतकों का अंतिम संस्कार किया जाएगा। जानकारी के अनुसार सभी मृतक धार्मिक यात्रा पर निकले थे और खाटू श्याम मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे थे, तभी जयपुर के पास उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना में पांचों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

कानपुर में मजदूरी करते मिले हत्या के आरोपी भाई

जबलपुर। हनुमानताल थानान्तर्गत २७ वर्ष पूर्व हत्या के प्रकरण में फरार वारंटी आरोपी भाईयों को पुलिस ने कानपुर से अभिरक्षा में लिया है। दोनों आरोपी भाई हनुमानताल थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर बदमाश हैं जिनके खिलाफ एक दर्जन से ज्यादा अपराधिक मामले दर्ज हैं। हनुमानताल पुलिस ने बताया कि वर्ष १९९९ में सेशन कोर्ट ने बाबा टोला निवासी भाईयों राजेन्द्र मराठा व नरबद मराठा को हत्या के प्रकरण आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। आरोपी भाईयों ने मामले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जहॉ से दोनों जमानत पर रिहा हो गय। इस दौरान दोनों आरोपी भाई फरार हो गये पुलिस को आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिल रहा था। दोनों फरार भाईयों की जल्द गिरफ्तार के लिए माननीय उच्च न्यायालय ने स्थियी वारंट जारी किया7 पुलिस अधीक्षक ने भी आरोपी भाईयो की गिरफ्तारी के लिए चार-चार हजार रूपए का ईनाम घोषित किया। इस दौरान पुलिस को मुखबिर से पता चला की हत्या के आरोपी दोनों भाई कानपुर रहकर मजदूरी कर रहे है पुलिस ने हत्या के प्रकरण में फरार राजेन्द्र मराठा, व नरबद मराठा को कानपुर टीम भेजकर अभिरक्षा में लिया है।

जैविक हाट में बड़ी संख्या में पहुंचे खरीदार, पसंद आने लगे देशी उत्पाद

जबलपुर। जैविक उत्पादों के जागरूकता बढाने तथा जैविक कृषि कर रहे किसानों और उपभोक्ताओं के बीच सेतु का निर्माण करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा कृषि उपज मंडी, जबलपुर में प्रत्येक रविवार को आयोजित किये जा रहे जैविक हाट में इस रविवार को भी बड़ी संख्या में खरीदार पहुँचे और फल-फूल, साग-सब्जी सहित जैविक उत्पादों की जमकर खरीदारी की। हर रविवार को जैविक हाट पहुंचना अब कईयों की आदत में शामिल गया है।

रविवार को जैविक हाट में जिले के विभिन्न विकासखंडों के लगभग 35 जैविक किसानों ने सहभागिता की। किसानों द्वारा जैविक अनाज, दलहन, गिर गाय का दूध, बिलौना घी, सब्जियां, पिंक मूली, फल, कोल्ड प्रेस्ड तेल सहित विभिन्न जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों का विक्रय किया गया।

जैविक हाट में प्रेमधारा गिर गौशाला के संचालक और युवा तन्मय दास के जैविक खाद, बिनौला दूध, दही, मठा और मुनगा पाउडर, श्री के पी सिंह के रेड डायमंड प्रजाति के अमरूद, एप्पल बेर और स्ट्रॉबेरी, ठाकुर विनय सिंह के मिर्च पाउडर, देशी घी और चिया बीज, भाग्योदय तेल मिल के तिल, नारियल, फल्ली, बादाम और अलसी का तेल तथा विश्वकर्मा नर्मदा प्रसाद जैविक मार्ट के मटर, लौकी, धनिया, शहद और मही जैसे जैविक एवं रसायन मुक्त उत्पाद प्रमुख आकर्षण रहे।

जैविक हाट का संयुक्त संचालक कृषि के एस नेताम, उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम ने निरीक्षण किया। अनुविभागीय कृषि अधिकारी और जैविक प्रमाणन निरीक्षक डॉ इंदिरा त्रिपाठी के नेतृत्व में इस रविवार को जैविक हाट के सफल आयोजन की जिम्मेदारी विकासखण्ड शहपुरा के कृषि अधिकारियों ने संभाली।

डयूटी पर तैनात वनरक्षक से अभद्रता

जबलपुर। बरगी थानान्तगर्गत वन परिक्षेत्र स्थित एकप्लांटेशन में डयूटी पर तैनात फारेस्ट गार्ड के साथ तीन लोगों ने गाली गलौज कर अभद्रता की तभी डयूटी पर तैनात वन रक्षक के दौ साथी कर्मचारियों के बीच बचाव करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये। आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया7 बरगी पुलिस ने बताया कि आधारताल आदर्श कालोनी निवासी राहुल गुलाटी वन परिक्षेत्र बरगी में वनरक्षक के पद पर कार्यरत हैं। गत ५ फरवरी को उसकी डयूटी रग्राम चरगवां की बीट तिखारी में प्लांटेशन में थी रात लगभी साढे ग्यारह बजे जब राहुल डयूटी पर तैनात था तभी तीन रूप उसे पास आये जिसमें से एक ने अपना नाम राजू मसराम बताया। जो गाली गलौच कर बताया कि तुमने एक व्यक्ति को मारा है। फारेस्ट गार्ड राहुल ने कहा कि मैने किसी को नहीं माना इसी बाद पर राजू ने वनरक्षक की कॉलर पकड़ ली तभी वनरक्षक के साथी कर्मचारियों गोलू व मेहतू के बीच बचाव करने पर आरोपी धमकाते हुए भाग गया।

युवती की हत्या कर लाश फेंकी

जबलपुर। जिले के पाटन थाना अंतगंत नुनसर चौकी क्षेत्र में एमएम इंटरनेशनल स्कूल के पीछे एक आदिवासी युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पंचनामा की कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के लिये भेजा। युवती कुछ समय से अपने घर से लापता थी। चेहरे में गंभीर चोर के निशान हैं। पूरा चेहरा लहू लुहान दिखाई पड़ रहा है। लिहाजा प्रथम दृष्टा हत्या का संदेह प्रतीत हो रहा है। मृतिका की उम्र 19 से 20 वर्ष के आसपास बताई गई है। जिसकी शिनाख्त माढोताल निवासी एक आदिवासी परिवार की लड़की के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम को बुलाया। टीम ने मौके से नमूने और अन्य संभावित सुराग एकत्र किए। प्रारंभिक परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस इसे हत्या के एंगल से जांच कर रही है।

जीवंत झांकियों के साथ निकाली गई शिव बारात

महाशिवरात्रि पर्व पर उमरियापान में आस्था और उत्साह का संगम देखने को मिला। अनुराग रामायण मंडल के तत्वावधान में भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती की बारात धूमधाम से निकाली गई। बारात में भगवान शिव के स्वरूप में सजे श्रद्धालु आकर्षण का केंद्र रहे, वहीं माता पार्वती की जीवंत झांकी ने सभी का मन मोह लिया। बारात की शुरुआत कटरा बाजार स्थित जोगी मंदिर से हुई। इसके बाद बारात अँधेली बाग, चण्डी माता मंदिर, बावली मंदिर, बस स्टैंड, झंडा चौक, बड़ी माई मंदिर और बरातरे सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः कटरा बाजार पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर बारात का स्वागत किया। प्रसाद वितरण किया गया। बारात में शामिल श्रद्धालु भोलेनाथ के साथ भक्ति गीतों की धुन पर जमकर झूमे। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने "हर-हर महादेव" के जयकारे लगाए।

ऐतिहासिक रहा तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव वेदी सूतन कर मनाया तिलक महोत्सव

जबलपुर। संस्कारधानी के शुक्रवारी बजरिया हनुमान ताल में सकल तारण तरण दिगंबर जैन समाज द्वारा मां जिनवाणी की आराधना को समर्पित श्री तारण तरण दिगंबर जैन चैत्यालय बनाया गया जिसका तीन दिवसीय रत्नत्रय महोत्सव वेदी प्रतिष्ठा, जिनवाणी अस्थास्प, कलशारोहण, वेदी सूतन, तिलक महोत्सव विविध अनुष्ठाओं के साथ ऐतिहासिक रूप से साआनंद संपन्न हुआ।महोत्सव के मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन ने बताया कि मंगल महोत्सव में वेदी सूतन कर्ता बनने का सौभाग्य जिनशासन सेवक रामडिम मूरी परिवार को प्राप्त हुआ, जिनके मंगल आमंत्रण पर युवा रत्न बाल ब्रह्मचारी आत्मानंदजी, बाल ब्रह्मचारी धर्मेंद्र भैया ब्रह्मचारी भाई बहन साधकों सहित प्रतिष्ठाचार्य पं. महेशकुमार जैन बटियागढ़, पं. अशोक जैन भोपाल, पं. मुकेश जैन राजनगर, सह प्रतिष्ठाचार्य पं. सम्यक जैन एवं पं. अर्जव जैन गंज बासौदा, विद्वतजन, श्रेष्ठिगणों सहित पूरे देश से बड़ी संख्या में गुरुभक्त श्रावक - श्राविकाएं महोत्सव में सम्मिलित हुए धर्माराधना की।रविवार के शुभ दिन प्रातः काल की मंगल बेला पर सभी वेदी सूतन कर्ता जोड़ो सहित बालक - बालिकाओं ने मंत्र जप कर ध्यान सामयिक में हिस्सा लिया और समवशरण मंडप से चैत्यालय की ओर प्रस्थान किया जहां सभी ने विधि विधान पूर्वक वेदी सूतन कर आनंद उत्सव मनाया एवं तिलक की मंदिर विधि में वीतरागी देव - शास्त्र - गुरु भगवन्तों की भाव पूजन कर महोत्सव की पूर्णता की ओर सभी को मंगल महोत्सव की शुभकामनाएं दी।मंगल महोत्सव में मेला नायक बनने का सौभाग्य महेन्द्रकुमार, सुरेन्द्र कुमार, प्रशांत, डॉ. निशांत, विक्रांत, शशांक जैन समस्त पुष्पजी परिवार जबलपुर, सागर, नागपुर, भोपाल को प्राप्त हुआ वहीं संगीत के माध्यम से धर्म प्रभावना कराने में संगीतकार नंदन जैन, सचिन जैन छिंदवाड़ा, अंकित समैया, रागनी जैन एवं अनिमेष जैन जबलपुर ने अध्यात्म की गंगा बहाई, दीपक राज जैन, नितिन जैन एवं भूपेंद्र जैन तारण टीवी ने मीडिया का दायित्व निभाया कर जिनशासन की प्रभावना की। मंगल महोत्सव को सफल एवं यादगार बनाने में सकल तारण समाज, युवा परिषद, महिला मंडल, बालिका मंडल सहित सभी जिनका सहयोग प्राप्त हुआ का सकल तारण समाज, आयोजक रामडिम मूरी परिवार सहित ट्रस्ट के अध्यक्ष सतीश समैया, शरद समैया पुखराज, सीए राहुल जैन, राजू परासिया, मनोज मंटू कुंडा वाले, पं. संतोष जैन भाईजी, जतिन समैया, प्रियंक समैया, राजेश दिगंबर ने आभार व्यक्त किया।

प्रथम चरण में प्राप्त आवेदनों का शिविर में का किया जाएगा निराकरण

संकल्प से समाधान अभियान के तहत आज से होगा शिविरों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में चल रहे संकल्प से समाधान अभियान के तहत 407 ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों के सभी 90 वार्डों में लोगों को शासन की 106 प्रकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों से लाभान्वित करने आज से शिविरों का आयोजन होगा।

कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर प्रत्येक ग्राम पंचायत और नगरीय निकायों में वार्ड स्तरीय समिति बनाई गई है। जिसमें ग्राम और नगरीय वार्ड स्तर के अधिकारी और कर्मचारी जैसे पटवारी, पंचायत सचिव, वार्ड प्रभारी, रोजगार सहायक, आरएईओ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, हेल्थ वर्कर आदि शामिल है।

पंचायत व नगरीय वार्ड स्तर पर आवेदन व शिकायतों के एकत्रीकरण के लिए दल गठित किया गया है। जिसके लिये नोडल अधिकारी की नियुक्ति संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा की गई है। यह दल शासन की विभिन्न योजनाओं व सेवाओं से संबंधित आवेदन व शिकायतों को घर-घर जाकर या शिविर लगाकर एकत्रित कर रहा है। साथ ही इस टीम के नोडल अधिकारी अपने लॉगिन से सभी आवेदनों को पोर्टल पर दर्ज भी कर रहे है।

पोर्टल पर दर्ज करने के उपरांत सभी आवेदनों को क्लस्टर या जोन लेवल अधिकारी के पास जमा किया जाएगा और क्लस्टर या जोन लेवल अधिकारी आवेदनों को विभागवार संबंधित अधिकारियों को निराकरण हेतु प्रेषित कर निराकरण की स्थिति प्राप्त करेंगे।

अभियान का द्वितीय चरण 16 फरवरी से प्रारंभ होकर 16 मार्च तक चलेगा। अभियान के द्वितीय चरण में ग्रामीण क्षेत्रों में क्लस्टर लेवल पर एवं नगरीय क्षेत्रों में नगर व जोन स्तर पर नोडल अधिकारी के रूप में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, जोनल अधिकारी अथवा समकक्ष अधिकारी रहेंगे।

इस चरण में प्रथम चरण में प्राप्त आवेदन और शेष आवेदन पत्रों के निराकरण हेतु शिविर लगाये जायेंगे। क्लस्टर में पंचायतों की संख्या का निर्धारण कलेक्टर द्वारा जिले में स्थित पंचायतों की संख्या के हिसाब से (आवश्यकतानुसार 15 से 30 ग्राम पंचायतों का समूह में) निर्धारित किया जाएगा।

शहरी क्षेत्रों में छोटी नगरपालिका, नगर पंचायत स्तर पर एक शिविर व नगर निगम स्तर पर वार्डों की संख्या के अनुपात में क्लस्टर या जोन तैयार किये जाएगें।

क्लस्टर या जोन लेवल पर शिविर लगाने हेतु समय सारिणी जिले द्वारा तैयार की जाएगी। टीम द्वारा प्राप्त आवेदन व शिकायतों का निराकरण क्लस्टर या जोन लेवल पर आयोजित शिविर में संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। आवेदनों का निराकरण को पोर्टल पर क्लस्टर या जोन लेवल के नोडल अधिकारी के द्वारा दर्ज किया जाएगा।

पथराव मामले में तीन आरोपितों को भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

स्लीमनाबाद थाना अंतर्गत बंधी रेलवे गेट पर 12 फरवरी की रात हाईवा की टक्कर से 2 लोगों की मौत के बाद आक्रोशित भीड़ द्वारा पुलिस वाहन पर पथराव कर उसे क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पथराव मामले में पुलिस ने करीब 15 अज्ञात व्यक्तियों पर बीएनएस की धारा 296 बी, 351(3), 121(1),125ए, 132, 191(2),191(3), 190, 324(4) के तहत मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी स्लीमनाबाद एवं थाना प्रभारी उमरियापान पुलिस टीम द्वारा आरोपीगण 1. सागर उर्फ जग्गी कोल पिता रामकुमार उर्फ भूरा लाल 19 साल , 2 . अभिषेक कोल पिता हरिप्रसाद कोल 19 साल, 3. अर्जुन कोल पिता प्रीतम कोल 20 साल तीनों निवासी धरवारा को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। न्यायालय द्वारा जेल वारंट जारी किया गया जिस पर आरोपीगणों को जिला जेल में दाखिल किया गया।

सिहोरा में देवो के देव महादेव की निकली भव्य बारात

बाबाताल में झंकार समिति का शिवलिंग निर्माण

सिहोरा। देवो के देव महादेव एंव माता पार्वती के शुभ विवाह का दिन महाशिवरात्रि पर जहां बाबाताल में स्थापित भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने भक्तों की भीड़ लगी रही वहीं नगर के सभी शिवालयों में सुबह से ही सभी भक्तों ने पहुचकर पूजन अभिषेक किया वहीं उपवास रखकर घरो में भी भोलेनाथ की पूजा की।इसी तरह बाबाताल से शंकर जी की भव्य बारात एंव ध्वज यात्रा निकली तो वहीं झंकार दुर्गोत्सव समिति द्वारा पार्थिव शिवलिंग निर्माण का आयोजन भी किया गया।

भोलेनाथ की बारात में दिखी सनातनी एकता

शिवमंदिर बाबाताल से महादेव की भव्य बारात शोभायात्रा निकाली गई जो पुराना बस स्टेंड,गौरीतिराहा,झंडा बजार,कालभैरव चौक,मैना कुआं,हरदौल मंदिर से होकर निकली।बारात में शंकर पार्वती की झांकी के आगे सैकडों शिवभक्त डी जे की धुन पर नाचते गाते चल रहे थे उनके पीछे सिद्धन धाम लोढ़ा पहाड़ कुर्रो पिपरिया के संत सीताराम शरण जू महाराज जी रथ पर चल रहे थे।बारात के वापस बाबाताल पहुचने पर वरमाला की रस्म पूरी गई जिसमे

माता पार्वती ने शंकर जी को एंव शंकर जी ने माता पार्वती को वरमाला पहनाकर विवाह किया। पूरी बारात में सनातनियों की एकता ने अपनी अलग ही छाप छोड़ी।

जगह जगह बारात का स्वागत

भोलेनाथ की बारात का जहां नगर में जगह जगह भव्य स्वागत किया गया नगर पालिका मार्ग में महामाया समिति ने खीर पुडी सब्जी पुराना बस स्टैंड में एंव धर्मेन्द्र टी स्टाल द्वारा चाय का वितरणइसी तरह जय बोला भंडारी समिति ने स्वर्गीय अनिल सराफ के स्मृति में नंदनी सराफ द्वारा प्रसाद वितरण किया गया।सफल बनाने में अमित सोनी,ओम सोनी,रामू सोनी,आनंद प्रकाश जैन आदि का योगदान रहा के साथ अनेक स्थानो पर दोफहर से ही भंडारे प्रारम्भ हो गये थे जो देर

शाम तक चलते रहे।बाबाताल में सभी बरातियों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। बारात में सैकड़ों महिला पुरुष बच्चों ने शामिल होकर इसे यादगार एंव ऐतिहासिक बना दिया।

धूमधाम से निकली बाबा भोले की बारात

बरेला। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भूतनाथ धाम से भगवान भोले की विशाल और भव्य बारात निकाली गई। इस अवसर पर भूतनाथ धाम में हल्दी की रस्म का भी आयोजन किया गया। यह बारात वार्ड नंबर तीन स्थित भूतनाथ धाम से प्रारंभ होकर संपूर्ण नगर में भ्रमण करने के पश्चात बड़े शंकर जी में संपन्न हुई ।बड़े शंकर जी स्थित भूतनाथ धाम में सुबह से ही श्रद्धालु भक्तों का पूजन अर्चन करने के लिए ताता लगा रहा। इस अवसर पर भगवान को पुष्प, बेलपत्र, बेर, गेहूं की वाले सहित अन्य सामग्री अर्पित की गई। इस अवसर पर भोले भंडारी त्रिगड्डा में भंडारे का आयोजन किया गया एवं नारसिंह दरबार में दोपहर 12:00 बजे से व्यवस्थापक सोनू यादव द्वारा भांग का वितरण किया गया ।महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर नगर के समस्त शिव मंदिरों में पूज्य अभिषेक किया गया।

श्री शिव दरबार तक गाजे-बाजे के साथ निकली भव्य संकीर्तन यात्रा

जबलपुर। महाशिवरात्रि पर्व पर अनवरत 21वें वर्ष मानस मण्डल नेमा समाज एवं श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मण्डल जाबालीपुरम की अगुवाई में प्रातःबेला में अहिंसा चौक से कचनार सिटी स्थित श्री शिव दरबार तक श्री शिव संकीर्तन सुप्रभात यात्रा निकाली गई। यात्रा में ढोल, मंजीरा, डमरू एवं शंखनाद की गूंज के साथ भक्तों ने भगवान भोलेनाथ-पार्वती विवाह के भजनों का भावपूर्ण गुणगान किया। संकीर्तन यात्रा पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण निर्मित करती हुई शिव दरबार पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल, मानस मंडल नेमा जबलपुर, महाकौशल योग संस्थान, नर्मदा भक्त सेवा मिशन, नर्मदीय रामायण मंडल, राधा नाम संकीर्तन मंडल सहित नगर की विभिन्न धर्मसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में धर्मानुरागी श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नागाघाटी से शारदा मंदिर तिराहा तक बनाए गए स्पीड ब्रेकर

बरेला। जबलपुर नेशनल हाईवे 30 पर मंडला से जबलपुर रोड में नागाघाटी से शारदा मंदिर तिराहा तक आए दिन दुर्घटना हो रही जिससे कभी भी किसी भी वक्त निर्दोष लोग की मौत के तांडव की आशंका बनी रहती है अवागवन में बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। 8_8 घंटों तक जाम लगा रहता है जिसे देखते हुए शारदा नगर रिछाई के सरपंच पंडित आशीष शुक्ला ने नेशनल हाईवे के डायरेक्टर अमृतपाल साहू जी से बात कर तत्काल बड़े ब्रेकर बनाने और निरंतर हो रही दुर्घटनाओं की रोक करने की मांग रखी थी जिस पर डायरेक्टर महोदय ने तत्काल दुर्घटनाओं की रोकथाम करने के लिए बड़े स्पीड ब्रेकर बनाने के निर्देश दिए और कार्य चालू कर दिया है झंडू कंस्ट्रक्शन के पीएम, थाना प्रभारी बरेला अनिल पटेल जी, सरपंच आशीष शुक्ला के मार्गदर्शन में ब्रेकर का कार्य चालू किया गया।

ट्रांसमिशन लाइन कॉरिडोर में अवैध निर्माणों पर एमपी ट्रांसको का प्रदेशव्यापी अभियान

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में किए गए अवैध एवं घातक निर्माणों को हटाने के लिए प्रदेशव्यापी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में छतरपुर जिले की 132 केवी छतरपुर–बिजावर एवं छतरपुर–नौगांव ट्रांसमिशन लाइनों के 27 मीटर सुरक्षा क्षेत्र के भीतर किए गए अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की गई। मुख्य अभियंता डी.के. अग्रवाल ने बताया कि संबंधित व्यक्तियों को पूर्व में नोटिस जारी कर निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समय सीमा में पालन नहीं किए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य संभावित विद्युत दुर्घटनाओं से जन-सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कंपनी के अनुसार यह अभियान जबलपुर सहित पूरे प्रदेश में चरणबद्ध रूप से जारी रहेगा। नागरिकों से अपील की गई है कि ट्रांसमिशन लाइनों के निर्धारित सुरक्षा कॉरिडोर में किसी प्रकार का निर्माण न करें तथा विद्युत सुरक्षा नियमों का पालन करें।

भगवान शिव-पार्वती की बारात शोभायात्रा निकली

मझौली। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान शिव-पार्वती की भव्य बरात शोभायात्रा बिड़ी दुकान मझौली से दोपहर बाद नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए भगवान विष्णु वाराह मंदिर पहुंची। नगरवासियों ने जगह-जगह भगवान शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना कर बरात का स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर "हर-हर महादेव" के जयघोष से पूरे नगर को भक्तिमय बना दिया। मंदिर परिसर में बरात पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया तथा बरातियों का सत्कार किया गया। इसके पश्चात द्वाराचार की रस्म अदा कर जयमाला कार्यक्रम संपन्न हुआ। भगवान शिव-पार्वती की पांव पखराई कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। धार्मिक उल्लास और भक्ति भाव से परिपूर्ण इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

किसान के सूने घर में चोरी

जबलपुर। शहपुरा थानांतर्गत ग्राम कैथरा में एक किसान परिवार के घर को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाकर ऊपरी मंजिल के दो कमरों के ताले तोड़कर ६* हजार नगदी व अन्य सामान चोरी कर ले गए। शहपुरा पुलिस ने बताया कि कैथरा शहपुरा निवासी मयूर सिंह राजपूत के पिता तीन भाई हैं। जो अपने परिवारों के साथ पुश्तैनी मकान में एक साथ रहते हैं। मयूर के चाचा पूरन सिंह रामेश्वर दर्शन को गए थे। गत १* फरवरी को मयूर के भाई रोहित सिंह ने दोपहर १ बजे खेत से लौटकर देखा कि ऊपर के कमरे के दरवाजे में चटकनी लगी थी। चाचा पूरन सिंह के कमरे में ताला डला था। रात लगभग ९.*० बजे रोहित ने देखा कि दोनों कमरों के दरवाजे खुले थे। चाचा वाले कमरे का ताला टूटा था। रोहित ने इसकी जानकारी अपने भाई मयूर को दी। मयूर ने आकर देखा कि चाचा के कमरे की आलमारी का ताला टूटा था। जिसमें रखे ६* हजार रुपये गायब थे। दूसरी चोरी गई चीजों का पता नहीं चल रहा है। मयूर के चाचा पूरन सिंह के लौटने पर चोरी गए सामान का मशरूका पता चल सकेगा।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर उमावि के विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति

जबलपुर। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राममंदिर जीसीएफ इस्टेट जबलपुर में मिलन संस्था के मार्गदर्शन में बच्चों के द्वारा सुभद्रा कुमारी चौहान की काव्य रचना का काव्य पाठ किया गया एवं छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गयी। इस अवसर पर मिलन संस्था के अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष डॉ. गीता गीत, अंतरराष्ट्रीय हास्य कलाकार केके नायकर, बलराम वर्मा, चित्रकार जगदीश पटेल, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त चन्दा देवी स्वर्णकार, विद्यालय के अध्यक्ष सुनील दुबे, उपाध्यक्ष तरुण झा, प्रबंधकारिणी सदस्य श्यामलाल सोनकर, प्राचार्य ज्योति झा, कार्यक्रम प्रमुख दीप्ती गुप्ता एवं समस्त आचार्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शक्ति शर्मा द्वारा व आभार प्रदर्शन ज्योति का द्वारा किया गया।

भेड़ाघाट पंचवटी रेस्ट हाउस में अवैध खुदाई का आरोप, क्षेत्रीय नागरिकों में आक्रोश

भेड़ाघाट। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट के पंचवटी स्थित रेस्ट हाउस क्रमांक-1 में जेसीबी मशीन से अवैध खुदाई किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग द्वारा रेस्ट हाउस में कमरे निर्माण का कार्य कराया जा रहा है, लेकिन निर्माण की आड़ में नर्मदा तट से लगभग 300 मीटर की परिधि में जेसीबी से खुदाई किए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि उच्च न्यायालय के आदेश क्रमांक 10561/2019 के तहत नर्मदा नदी तट से 300 मीटर की परिधि में

खुदाई व निर्माण कार्य प्रतिबंधित है, इसके बावजूद नियमों की अनदेखी की जा रही है। नागरिकों ने आशंका जताई है कि जेसीबी से की जा रही खुदाई से संगमरमर की चट्टानों को नुकसान पहुंच सकता है और क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता प्रभावित हो सकती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शासकीय विभाग स्वयं नियमों का पालन नहीं करते, जबकि आम नागरिकों पर सख्ती बरती जाती है। मामले को लेकर क्षेत्र में जनचर्चा तेज है कि जिला प्रशासन लोक निर्माण विभाग पर क्या कार्रवाई करता है। इस संबंध में नगर परिषद भेड़ाघाट के सीएमओ विक्रम सिंह झरिया ने कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा शासन से अनुमति लेकर ही निर्माण कार्य किया जा रहा होगा। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आदिवासी संस्कृति बचाओ यात्रा का प्रथम चरण संपन्न

जबलपुर। आदिवासी संस्कृति बचाओ यात्रा 15/2/2026 को कौशल्या गोंटिया पूर्व मंत्री के निज निवास से प्रारंभ होकर आधारताल मेन रोड से होते हुए, भगवान बिरसा मुंडा तिराहा, रद्दी चौकी, मंडी मदार टेकरी, घमापुर, अंबेडकर चौक होते हुए, अमर शहीद राजा रघुनाथ शाह कुं. शंकर शाह प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर सभा के रूप में संपन्न हुई। यह सभा रिछाई में होनी थी, संगठन के एक पदाधिकारी के परिवार के यहां गमी हो जाने के कारण बैठक नहीं हो पाई, सिर्फ यात्रा ही निकाली जा सकी। यात्रा का दूसरा चरण 21/2/2026 से प्रारंभ होगा। सभा में 24 फरवरी को संत शिरोमणि माता शबरी प्राकटोत्सव मनाने पर चर्चा हुई। शबरी जयंती संगठन द्वारा मनाया जाएगी।यात्रा में रोशन लाल कोल, मोतीलाल गोंटिया, शिव गोंटिया, राजकुमार गोंटिया, ख्याली सिंह, संतोष गोंटिया, अशोक गोंटिया, जित्तू गोंटिया, धर्मेंद्र गोंटिया, बलबीर गोंटिया, सुजीत भूमिया, मनी राम कोल, शिव चरण गौंड, अजीत पटेल, अनिल गोंटिया, राम नरेश गोंटिया, श्याम लाल गोंटिया, गेंदा लाल ठाकुर, शिव चरण टेकाम, अभिषेक कोल, कमलेश कोल, नीरज रवि गोंटिया सहित अन्य ने हिस्सा लिया।

मनरेगा बना "लूट का एटीएम"! महगवां टगर में अनियमितताओं का आरोप

पनागर। जनपद पंचायत पनागर अंतर्गत ग्राम पंचायत महगवां (टगर) में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के तहत गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों ने सरपंच रणजीत सिंह ठाकुर, सचिव विनोद तिवारी एवं सहायक सचिव जितेंद्र काछी पर मिलीभगत कर योजना राशि के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्ष 2023-24 में कागज़ों पर फर्जी कार्य दर्शाकर लाखों रुपये का भुगतान निकाल लिया गया, जबकि वर्तमान में उन्हीं कार्यों को कराए जाने की प्रक्रिया दिखाई जा रही है। इसे शासन के साथ आर्थिक अनियमितता और धोखाधड़ी बताया जा रहा है।

मजदूरों की सूची में गड़बड़ी का आरोप

ग्रामवासी सौरभ मिश्रा द्वारा सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर आरोप लगाया गया है कि जिन लोगों के पास पक्के मकान, कृषि भूमि एवं संसाधन हैं, उनके

नाम मनरेगा मजदूर सूची में दर्ज कर भुगतान किया गया। वहीं वास्तविक जरूरतमंद मजदूरों को सूची से बाहर रखा गया। ग्रामीणों का आरोप है कि यह सब जिम्मेदार पदाधिकारियों की सहमति से हुआ।

कई स्तर पर शिकायत

मामले की शिकायत जिला कलेक्टर जबलपुर, जिला पंचायत सीईओ, लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित वित्त विभाग के अधिकारियों से की जा चुकी है। बावजूद इसके अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

निधन

श्री एदल सिंह- स्टार सिटी करमेता निवासी श्री एदल सिंह (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुशीला गुप्ता- कांचघर शीतलामाई वार्ड निवासी श्री राम कुमार गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला गुप्ता (75) का विगत दिवस निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुनील कुमार पटेल- एकता कॉलोनी अधारताल निवासी श्री सुनील कुमार पटेल (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती रेखा श्याम राय- साकेत नगर रांझी निवासी श्री एससी श्याम राय की धर्मपत्नी श्रीमती रेखा श्याम राय (96) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रार्थना अर्गल- नेपियर टाउन निवासी श्री राजेंद्र अर्गल की धर्मपत्नी श्रीमती प्रार्थना अर्गल (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्री महेंद्रपाल सिंह- मिश्रा कम्पाउंड बीटी तिराहा गढ़ा निवासी श्री महेंद्रपाल सिंह (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गुलाब सिंह- एनई 33, एमपीईबी कॉलोनी रामपुर निवासी श्री गुलाब सिंह (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्री अरूण कुमार सोंधिया- मदनमहल नीखरा चक्की के पास निवासी श्री अरूण कुमार सोंधिया (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती भागवती बाई सेन- झदुआ कुआं कोतवाली थाने के पीछे प्यारे लाल सेन की धर्मपत्नी श्रीमती भागवती बाई सेन (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्री राम किशन बर्मन- विजयनगर छापर रामपुर निवासी श्री राम किशन बर्मन (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंपा राय- गौतमगंज गढ़ा निवासी श्री खुमान सिंह राय की धर्मपत्नी श्रीमती चंपा राय (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सावित्री बाई उपाध्याय- रद्दी चौकी के पास अधारताल निवासी श्री ताराचंद उपाध्याय की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री बाई उपाध्याय (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उषा बसंत- राजुल टाउनशिप तिलहरी रोड निवासी श्री दरसराम बसंत की धर्मपत्नी श्रीमती उषा बसंत (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्री विकास सेनगुप्ता- बजरंग नगर रांझी निवासी श्री विकास सेनगुप्ता (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गेंद लाल- सिद्धनाथ छापर रामपुर निवासी श्री गेंद लाल (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्री राजेंद्र पटेल- रानीपुर गोरैया प्लाट आमनपुर मदनमहल निवासी श्री राजेंद्र पटेल (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अवधेश कुमार पांडे- गंगानगर कॉलोनी गढ़ा निवासी श्री अवधेश कुमार पांडे (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हरीशचंद्र मिनोचा- श्रीछाया ड्युपलेक्स तुलसीनगर चेरीताल निवासी श्री हरीशचंद्र मिनोचा (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग

पहली पत्नी के रहते चूड़ी पहनाकर दूसरी मान्य नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पारिवारिक कानून और उत्तराधिकार को लेकर एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ कहा है कि पहली शादी के रहते सिर्फ चूड़ी प्रथा के आधार पर की गई दूसरी शादी को कानूनी मान्यता नहीं मिल सकती और ऐसी स्थिति में दूसरी पत्नी या उसकी संतान का संपत्ति में कोई हक नहीं होगा। जस्टिस बिभू दत्ता गुरु की सिंगल बेंच ने हिंदू विवाह अधिनियम 1955 का हवाला देते हुए कहा कि जीवित जीवनसाथी के रहते किया गया दूसरा विवाह शून्य होता है। केवल चूड़ी पहनाने या लंबे समय तक साथ रहने से विवाह वैध नहीं बन जाता, जब तक कि पहला विवाह कानूनन समाप्त न हुआ हो।दरअसल मामला दुर्ग निवासी सगनूराम की संपत्ति से जुड़ा था, जहां पहली पत्नी की बेटी सूरज बाई और दूसरी कथित पत्नी ग्वालिन बाई की बेटियों के बीच मालिकाना हक को लेकर विवाद हुआ। सुनवाई में सामने आया कि ग्वालिन बाई के चूड़ी विवाह के समय उनका पहला पति जीवित था। किसी कानूनी या प्रथागत तलाक का प्रमाण नहीं था. गवाह की जिरह में यह तथ्य स्वीकार होने के बाद हाईकोर्ट ने माना कि दूसरी शादी का कोई अस्तित्व नहीं है।

सरकार बदल सकती है आधार कार्ड की डिजाइन

आधार में फोटो के साथ दिखेगा क्यूआर कोड!

नई दिल्ली। आधार कार्ड के मिसयूज होने का टेंशन खत्म हो जाएगा। ऐसी खबरें है कि आधार कार्ड डिटेल्स की चोरी रोकने के लिए सरकार आधार कार्ड का डिजाइन बदलने जा रही है। नए आधार ऐप के लॉन्च के बाद, यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल रोकने के लिए इसमें बड़े बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपडेटेड आधार कार्ड पर सिर्फ कार्ड होल्डर की फोटो और एक क्यूआर कोड दिखेगा। इस कदम का मकसद आधार कार्ड की फोटोकॉपी का गलत इस्तेमाल रोकना है, जिसमें सेंसिटिव पर्सनल जानकारी होती है।

क्यूआर कोड-बेस्ड वेरिफिकेशन

प्रस्तावित बदलावों के तहत, आधार कार्ड पर क्यूआर कोड स्कैन करने से बैंकिंग, सिम जारी करने और सरकारी योजनाओं जैसी सर्विसेस के लिए वेरिफिकेशन हो सकेगा। इस सिस्टम से प्राइवेसी बढ़ने और गलत इस्तेमाल का खतरा कम होने की संभावना है।

बदलाव का प्रस्ताव क्यों

आधार कार्ड भारतीय निवासियों के लिए एक बेहद जरूरी डॉक्यूमेंट बन गया है। बैंक अकाउंट खोलने हो, सिम कार्ड खरीदने हो, जमीन खरीदना हो, लोन लेना हो या फिर किसी सरकारी स्कीम का फायदा उठाना हो, लगभग हर काम के लिए इसकी जरूरत होती है। अभी, कार्ड होल्डर ऐसी सर्विस के लिए अपने आधार कार्ड की फोटोकॉपी जमा करते हैं।

बिहार में मधुबनी जिले के मंगरौनी में आम और महुआ का एक जुड़वा पेड़ है। यहां प्रेमी जोड़े या शादीशुदा के रिश्तों, जिसमें अनबन होती है तो यहां 3 बार पेड़ के परिक्रमा करने से रिश्ते ठीक हो जाते हैं।

रिश्ते टूटने से पहले मधुबनी में यहां लगाओ 3 चक्कर! जज-वकील भी देते हैं सलाह

मधुबनी। यहां की ऐसी मान्यता है कि लोग इस परंपरा को आज भी मानते चले आ रहे हैं। वहीं, यहां के पुजारी बताते हैं कि वकील, जज के पास भी तलाक और रिश्तों में खटास वाले लोग आते हैं तो वह भी यहां चक्कर लगाने की सलाह देते हैं।

मधुबनी जिला स्थित मंगरौनी गांव में एकादश रुद्र है। उसी परिसर के आगे जुड़वा पेड़ है। जहां की मान्यता भी बड़ी गजब है। इसे लोग हैरान करने वाली मान्यता भी कहते हैं। बता दें कि यह जुड़वा पेड़ 80 सालों से अधिक समय का है। आम और महुआ की जड़ और तना भी आपस में जुड़े हुए हैं।

जुड़वा पेड़ ने हजारों जोड़ों का बचाया घर

धार्मिक मान्यता अनोखी

जहां हर मिथिलांचल और दूरदराज के लोग आकर तीन चक्कर लगाते हैं। मान्यता है कि प्रेमी जोड़े, शादीशुदा कपल, न्यू मेरिड हो या किसी भी रिश्ते में खटास, अनबन और परिवार नहीं बस रहा हो जैसी परेशानी होती है तो यहां 3 बार परिक्रमा करते है। यहां की धार्मिक मान्यता अनोखी मानी जाती है। पुजारी के अनुसार जज-वकील भी यहां पूजा करने की सलाह देते हैं।

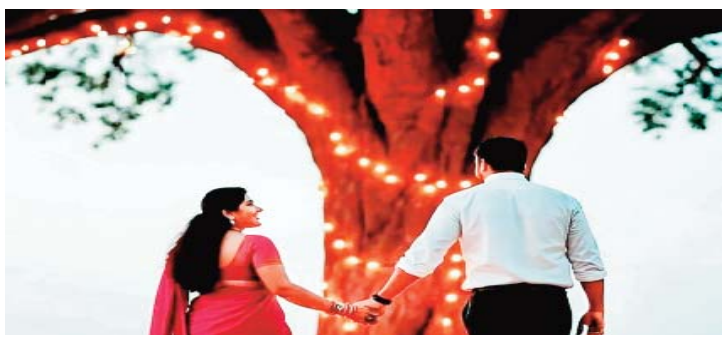

जानें क्या है मान्यताएं

यहां के पंडित गिरिधर झा शास्त्री ने बताया कि यहां हजारों लोगों का घर परिवार तलाक होने से बचा है। पंडित ने बताया कि वह जब से यहां हैं, ऐसा ही देखने को मिलता है कि यहां लोग शादी के बाद 3 फेरे लगाते हैं। इसके साथ ही पूजा-पाठ विधि-विधान से करते हैं। इसके अलावा मिथिला में लड़का और लड़की दोनों अलग-अलग आम और महुआ पेड़ की पूजा करते हैं, जिससे ग्रह दोष में निवारण होता है। यहां दोनों पेड़ जुड़े हुए हैं। यहां सभी जोड़े एक साथ फेरे लेते हैं।

यहां आने से मामले सुलझ गए

यहां की सबसे अनोखी बात तो यह है कि पति-पत्नी में तलाक या रिश्तों में अनबन को लेकर जो मामले कोर्ट में जाते हैं। वहां भी जानकारी के अनुसार मंगरौनी में जाने के लिए जज और वकील सलाह देते हैं कि दोनों एकबार यहां जाएं। ताकि रिश्तों में प्रेम होने की जो भी गुंजाइश बची है, वो सफल हो। हालांकि, ऐसे कई केस हैं जो फैमिली कोर्ट में आए और यहां आने से मामले सुलझ गए। परिवार खुशी से अपने घर गया ऐसा पंडित जी बताते है।

रोचक खबरें

पतली दिखने के लिए महिला ने निकलवाई पसलियां, फिर उसी को पकाकर बनाया सूप

ओटावा। कनाडा की एडिया डेनियल एक इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर हैं, जिनके 4 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वो अक्सर मेकअप और पर्सनल लाइफ से जुड़े वीडियोज पोस्ट करती हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वो लोगों को एक सूप बनाना सिखा रही हैं। ये सूप उन्होंने अपनी ही पसलियों से बनाया है। खूबसूरत दिखने की चाहत इंसान से क्या-क्या नहीं करवाती। लोग लाखों-करोड़ों के ब्यूटी ट्रीटमेंट्स करवाते हैं, जिससे सबसे अलग और सुंदर नजर आएं। पर कुछ लोग तो उनसे भी आगे निकलकर शरीर को ही अपने मन मुताबिक बदलवाने लगते हैं। ऐसा ही एक महिला ने भी किया। उसने पतली दिखने के लिए पहले तो अपनी पसलियां निकलवाईं। पर सिर्फ खूबसूरत नहीं दिखना चाहती थी, सोशल मीडिया पर वायरल भी होना चाहती थी। इस वजह से उसने एक और अजीबोगरीब हरकत की। उसने अपनी पसलियों का ही सूप बनाया और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिया। वीडियो के अंत में वो सूप पीती भी दिख रही हैं और साथ में उसका स्वाद भी बताया, जो चिकन जैसा था। कनाडा की एडिया डेनियल एक इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर हैं जिनके 4 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वो अक्सर मेकअप और पर्सनल लाइफ से जुड़े वीडियोज पोस्ट करती हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वो लोगों को एक सूप बनाना सिखा रही हैं। उनका ये वीडियो पिछले साल नवंबर का है, मगर अभी भी जब कोई उसे देख रहा है तो चौंक जा रहा है। इस वीडियो में वो कोई मामूली सूप नहीं, बल्कि अपनी ही पसलियों को पकाकर सूप बना रही हैं।

फरवरी ही क्यों है सबसे छोटा महीना, 2000 साल पुरानी है इसके पीछे की कहानी

रोम। आज हम जिस ग्रेगोरियन कैलेंडर का इस्तेमाल करते हैं, वह सीधा सादा नहीं है। इसकी जड़ें प्राचीन रोम से जुड़ी हैं। शुरुआत में रोमन कैलेंडर चांद के हिसाब से चलता था। साल में सिर्फ 10 महीने होते थे, मार्च से दिसंबर तक। सर्दियों के महीनों को गिना ही नहीं जाता था। बाद में रोमन राजा नुमा पोम्पिलियस ने जनवरी और फरवरी को जोड़ा ताकि साल पूरा हो सके, लेकिन 12 महीनों में दिन बांटते वक्त गड़बड़ हो गई। रोमन लोग सम संख्या को अशुभ मानते थे। ऐसे में फरवरी को छोटा कर दिया गया। फरवरी को मृतकों से जुड़े रीति- रिवाजों का महीना भी माना जाता था, इसलिए इसे 28 दिन पर रोक दिया गया।

जूलियस सीजर का सुधार : फिर आए जूलियस सीजर। उन्होंने चंद्र कैलेंडर की जगह सौर आधारित जूलियन कैलेंडर लागू किया। इसके बावजूद फरवरी 28 दिन की ही रही। हर चार साल में एक दिन जोड़कर लीप ईयर बनाया गया। 1582 में पोप ग्रेगरी XIII ने सुधार कर ग्रेगोरियन कैलेंडर लागू किया, जो आज दुनिया में चलता है। फरवरी में 28 दिन सवाल सिर्फ जिज्ञासा नहीं, बल्कि यह दिखाता है कि कैलेंडर इंसानी फैसलों और इतिहास का नतीजा है।

खोज

वैज्ञानिकों ने दी महाप्रलय की चेतावनी?

ग्रीनलैंड में इमरजेंसी ! बर्फ पिघलते ही तट पर पहुंचीं शिकारी व्हेल

नुउक। ग्रीनलैंड में समुद्र की बर्फ तेजी से टूट रही है। उसी के साथ ऑर्का व्हेल की संख्या तट के पास अचानक बढ़ गई है। वैज्ञानिक इसे जलवायु बदलाव से जोड़ रहे हैं। सरकार ने समुद्री आपातकाल घोषित कर दिया है। वहीं, मछुआरों को ज्यादा मछलियां मिल रही हैं। जबकि पर्यावरण कार्यकर्ता मछली पकड़ने पर रोक की मांग कर रहे हैं। एक ही समुद्र में तीन अलग तस्वीरें नजर आ रही हैं। वैज्ञानिक खतरे की घंटी बजा रहे हैं। मछुआरे इसे सुनहरा मौका मान रहे हैं। एक्टिविस्ट इसे आने वाले संकट की चेतावनी बता रहे हैं। हालात इतने बदल गए हैं कि सरकार को इमरजेंसी लगानी पड़ी है। ग्रीनलैंड की राजधानी नुउक के पास सुबह तीन बजे लोगों ने समुद्र की सतह पर ऑर्का व्हेल के पंख देखे। पहले जहां मोटी जमी बर्फ हुआ करती थी, अब वहां टूटी बर्फ के टुकड़े और खुला पानी दिख रहा है।

एक्टिविस्ट की मांग

दूसरी तरफ कुछ स्थानीय लोग और पर्यावरण कार्यकर्ता तख्तियां लेकर विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर अभी रोक नहीं लगाई गई तो मछली भंडार गिर सकता है। वे खास इलाकों में पूरी तरह मछली पकड़ने पर रोक चाहते हैं। उनका तर्क है कि जब व्हेल और मछलियां सीमित जगहों पर जमा हो रही हैं। तब ज्यादा शिकार करना खतरे को बढ़ा सकता है। वैज्ञानिक भी चेतावनी दे रहे हैं कि अगर स्टॉक गिर गया तो वह जल्दी वापस नहीं आने वाला है।

सरकार की ये है मुश्किल

नुउक में अधिकारी अब अलग-अलग जोन बना रहे हैं। जहां ऑर्का की गतिविधि ज्यादा है, वहां सख्त नियम या अस्थायी रोक लगाने की बात हो रही है। मछुआरों, वैज्ञानिकों और एक्टिविस्टों के साथ मिलकर निगरानी की जा रही है। हालांकि, असली सवाल यही है कि रोजी-रोटी और भविष्य के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। एक तरफ परिवारों की कमाई है तो दूसरी तरफ समुद्र का भविष्य। ग्रीनलैंड आज उसी मोड़ पर खड़ा है, जहां हर फैसला आने वाले कई सालों पर असर डाल सकता है।

मछलियां बड़ी संख्या में पानी के किनारे

पश्चिमी ग्रीनलैंड के फियोर्ड इलाकों में मछुआरे बता रहे हैं कि उनके जाल पहले से ज्यादा भारी होकर लौट रहे हैं। कॉड और हैलिबट जैसी मछलियां बड़ी संख्या में किनारे की तरफ आ रही हैं। एक युवा कप्तान ने इसे अपनी जिंदगी का सबसे अच्छा सीजन बताया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि वह ज्यादा सोचने की कोशिश नहीं करता कि ऐसा क्यों हो रहा है। सरकार ने इस 'असाधारण समुद्री बदलाव' को देखते हुए आपातकाल घोषित किया है। इससे निगरानी बढ़ाई गई है। फंड जारी किए गए हैं। कई मछुआरे इसे मौका मानकर ज्यादा से ज्यादा समुद्र में जा रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि आगे नियम सख्त हो सकते हैं।

बेटे की याद में पिता ने जमीन में गाड़ दी 6 करोड़ की लग्जरी बीएमडब्ल्यू कार

नई दिल्ली। बेटे की मौत का सदमा क्या होता है, यह वही समझ सकता है, जिसने अपना जिगर का टुकड़ा खोया हो। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि, कैसे एक पिता ने अपने बेटे के इंतकाल के बाद 6 करोड़ रुपए की नई बीएमडब्ल्यू कार को उसकी कब्र के पास दफना दिया। यह मामला अब चर्चा का विषय बन गया है।

बेटे के लिए खरीदी थी लग्जरी कार

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिता ने बेटे के जन्मदिन पर बीएमडब्ल्यू कार बतौर सरप्राइज गिफ्ट दी थी। बेटे ने कभी महंगी कार की ख्वाहिश नहीं की थी, लेकिन पिता ने मोहब्बत में 6 करोड़ बीएमडब्ल्यू खरीद ली। कार घर आई ही थी कि कुछ दिनों बाद बेटे की दुखद मौत हो गई। हर सुबह जब पिता उस बीएमडब्ल्यू कार को देखते, तो उनका दिल गम से भर जाता। बेटे की यादें उन्हें चैन नहीं लेने देती थीं।

कब्र के पास दफनाई

आखिरकार पिता ने फैसला किया कि जब बेटा ही नहीं रहा, तो कार का क्या मतलब। जेसीबी से गड्ढा खुदवाया गया और नई बीएमडब्ल्यू को बेटे की कब्र के पास उतार दिया गया, फिर कार के ऊपर कंक्रीट डाला गया ताकि कोई उसे बाहर न निकाल सके. पिता ने कार की चाबी भी उसी गड्ढे में फेंक दी।

क्या इंसान कभी स्वर्ग तक पहुंच सकता है, छेड़ी नई बहस

वॉशिंगटन। स्वर्ग आखिर कहां है? यह सवाल सदियों से लोगों के मन में उठता रहा है। अब एक पूर्व हार्वर्ड प्रोफेसर ने इस सवाल पर विज्ञान और धर्म को जोड़ते हुए एक नया दृष्टिकोण पेश किया है। डॉ. माइकल गिलेन, जो भौतिकी, गणित और खगोल विज्ञान में डॉक्टरेट कर चुके हैं, उन्होंने हाल ही में फॉक्स न्यूज में लिखे अपने लेख में स्वर्ग की संभावित जगह को लेकर अपनी थ्योरी बताई। उन्होंने आधुनिक कॉस्मोलॉजी (ब्रह्मांड विज्ञान), भौतिकी और धार्मिक मान्यताओं को मिलाकर यह विचार सामने रखा है।

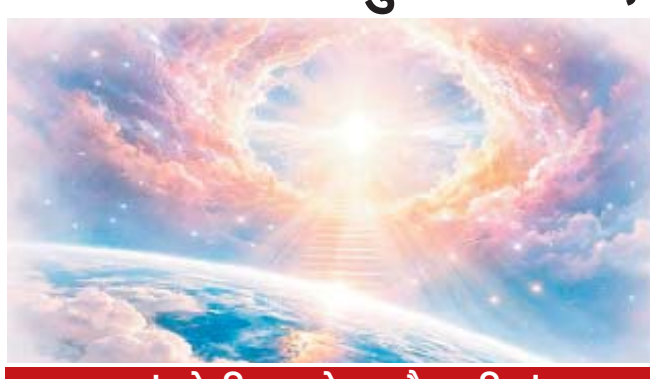

ब्रह्मांड के विस्तार से जुड़ा है यह सिद्धांत

डॉ. गिलेन ने अपनी व्याख्या में वैज्ञानिक एडविन हबल की खोज का हवाला दिया है। हबल ने 1929 में बताया था कि ब्रह्मांड लगातार फैल रहा है और दूर की आकाशगंगाएं हमसे तेजी से दूर जा रही हैं। गिलेन के अनुसार, जितनी दूर कोई आकाशगंगा होती है, उतनी ही तेज गति से वह दूर जाती दिखाई देती है। उन्होंने कहा, कि ब्रह्मांड में एक ऐसी सीमा है, जिसे कॉस्मिक होराइजन कहा जाता है। यह दूरी इतनी ज्यादा है कि कोई भी भौतिक वस्तु या इंसान वहां तक नहीं पहुंच सकता। आइंस्टीन के सापेक्षता सिद्धांत के अनुसार, केवल प्रकाश ही प्रकाश की गति तक पहुंच सकता है। इसलिए, इंसानों के लिए इस सीमा को पार करना असंभव माना जाता है।

क्या कॉस्मिक होराइजन के पार है स्वर्ग?

डॉ. गिलेन का मानना है कि धार्मिक ग्रंथों में स्वर्ग को ऊपर और मानव पहुंच से दूर बताया गया है। उन्होंने बाइबिल के वर्णन का उदाहरण देते हुए कहा, कि स्वर्ग को अलग-अलग स्तरों में बताया गया है, पृथ्वी का आकाश, अंतरिक्ष और उससे भी ऊपर परम स्थान। उनके अनुसार, कॉस्मिक होराइजन ब्रह्मांड की वह अंतिम सीमा है जिसके पार की दुनिया हम कभी देख या माप नहीं सकते। गिलेन का मानना है कि स्वर्ग इसी सीमा के पार हो सकता है, एक ऐसी जगह जो समय और भौतिक नियमों से परे हो। उन्होंने यह भी कहा कि यह विचार कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है, बल्कि विज्ञान और आस्था के बीच एक वैचारिक पुल की तरह है।

कराची के इस मजार में रहता है मगरमच्छों का खानदान, खाता है मिठाइयां

कराची। सोशल मीडिया पर इन दिनों पाकिस्तान के कराची में स्थित मंगोपिर मजार की तस्वीरें और वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। इस मजार में एक झील है, जिसमें 200 से ज्यादा मगरमच्छ रहते हैं। ये मगरमच्छ इतने शांत हैं कि श्रद्धालु इन्हें हाथ से खाना खिलाते हैं। ये मगरमच्छ मिठाइयां, मीट, अंडे और चावल खाते हैं। कई मगरमच्छ 100 साल से ज्यादा पुराने बताए जाते हैं। लोग इन्हें 'बाबा फरीद के जुओं' से जोड़कर देखते हैं।

संत से जुड़ी है कहानी

मंगोपिर मजार 13वीं सदी के सूफी संत पीर मंगो (जिन्हें साकी सुल्तान भी कहा जाता है) की दरगाह है। ये कराची के गडाप टाउन में स्थित है, जो शहर के सबसे पुराने इलाकों में से एक है। पीर मंगो बाबा फरीद गंज शकर (1173-1266) के शिष्य थे। बाबा फरीद चिश्ती सिलसिले के महान संत थे। कहानी के मुताबिक, पीर मंगो पहले हिंदू डाकू मंगो वासा थे, जो कारवां लूटते थे। एक बार उन्होंने बाबा फरीद को लूटने की कोशिश की, लेकिन बाबा की दिव्यता से प्रभावित होकर उन्होंने इस्लाम कबूल कर लिया और सूफी बन गए।

चट्टानों को चीरकर किसने बनाई ये सुरंगें

विंडहॉक। नामीबिया, ओमान और सऊदी अरब के सूखे इलाकों में खोज कर रहे वैज्ञानिकों को पुरानी चट्टानों के अंदर बहुत ही बारीक सुरंगें मिली हैं। ये सुरंगें किसी के जीवाश्म जैसी लगती हैं। इसके अलावा ये बिल्कुल सीधी हैं और एक-दूसरे के बराबर दूरी पर बनी हैं। बाहर से देखने पर ये चट्टानें साधारण लगती हैं, लेकिन जब इन्हें काटकर पॉलिश किया जाता है तब ये बारीक सुरंगें साफ नजर आती हैं। ये सुरंगें एक मिमी से भी ज्यादा पतली हैं, लेकिन कई सेंटीमीटर गहरी हो सकती हैं।

वैज्ञानिकों ने खोजे कई तरह के निशान

जर्मनी की यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर सीस पासचियर और उनकी टीम ने रेगिस्तान के उन पत्थरों और संगमरमर की जांच की जो लाखों साल पुराने हैं। उन्होंने उन जगहों को चुना जहां सूखा मौसम होने की वजह से चट्टानों की दरारें और सुरंगें साफ दिखाई दे रही थीं। वैज्ञानिकों ने खास मशीनों से इन सुरंगों की जांच की तो कई चीजें सामने आईं।

मशीनों की जांच में क्या पता चला?

वैज्ञानिकों ने जब मशीनों से इसकी जांच की तो कई सारी चौंकाने वाली चीजें सामने आईं। इन सुरंगों के अंदर जो पदार्थ भरा हुआ था वह बाहर की चट्टान से बिल्कुल अलग था। इन सुरंगों के अंदर कार्बन, फास्फोरस और सल्फर जैसी चीजें मिलीं। ऐसी चीजें तभी मिलती हैं जब वहां कोई जिंदा जीव रहा हो या उसके शरीर का कोई हिस्सा वहां मौजूद रहा हो।

सुरंगों के आसपास की चट्टान का रंग बदला हुआ था। इसके अंदर खनिजों की परतें जमी हुई थीं जो बिल्कुल वैसी ही दिखती हैं जैसे किसी जीव के रहने के बाद बचा हुआ कचरा। जांच में पता चला कि उन सुरंगों के अंदर कार्बन और ऑक्सीजन का बैलेंस बिगड़ा हुआ है। इसका मतलब है कि अंदर कोई जिंदा जीव मौजूद था।

नक्सलियों के भय से पहले जंगल की ओर नहीं जाते थे ग्रामीण

तोयनार के जंगल में मिली ब्लू गुफा जैव विविधता का नायाब नमूना

राजेश दास/सुरेश सिंह ⏭ जगदलपुर

अलग खबर

बस्तर जिले के दरभा ब्लॉक के अंतिम छोर तोयनार के जंगल में ग्रामीणों ने अद्भुत गुफा की खोज की है। नीले पत्थरों की यह गुफा प्राकृतिक सुंदरता व जैव विविधता का नायाब नमूना है। दो दिन पूर्व मिले गुफा के नीले पत्थर रोशनी में अलग ही छंटा बिखर रहे हैं, जिसे देखने ग्रामीणों की भीड़ जुटने लगी है। दो दशक पूर्व मवेशियों को चराने जाने वाले कुछ ग्रामीणों ने इस गुफा को देखा था, लेकिन नक्सलियों के भय से लोग इस ओर जाने से कतराते थे। अब जब नक्सलवाद समाप्ति पर है तो ग्रामीणों ने बैठक-कर गुफा की सफाई व खुदाई का काम शुरू किया है। पिछले दो दिन में सौ मीटर अंदर तक गुफा की सफाई की जा चुकी है।

25 फरवरी से पर्यटक कर सकेंगे दीदार

ग्राम प्रमुखों ने कहा कि 25 फरवरी को मेले का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए प्रचार प्रसार शुरू कर दिया गया है। स्थानीय लोग व पर्यटक गुफा की खूबसूरती का दीदार कर सकेंगे, इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। तोयनार से लगभग 2 किमी दूर जंगल में मिले गुफा तक जाने के लिए पगडंडी मार्ग भी तैयार किया जा रहा है, ताकि आने वालों को दिक्कत ना हो।

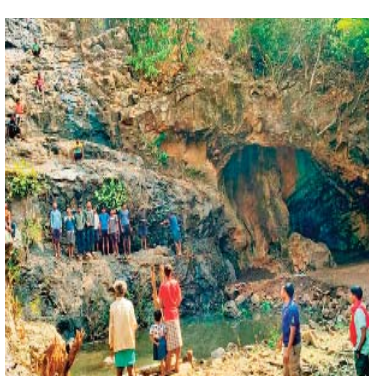

डमरू वाले बाबा की निकली बारात, भूत-प्रेत हाथी-घोड़े सब बने बाराती

महाशिवरात्रि पर्व: मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़, हर-हर महादेव की गूंज

जबलपुर।

शिवजी की आराधना, भक्ति के महापर्व महाशिवरात्रि पर रविवार को समूची संस्कारधानी धर्ममय नजर आई। शिवालयों, मंदिरों से लेकर घर-घर हर-हर महादेव, बम-बम भोले, ऊँ नमः शिवाय के सम्मलित स्वर सुनाई देते रहे। शिवरात्रि पर्व पर ब्रम्ह मुहूर्त से ही मंदिरों में शिवजी का अभिषेक, पूजन अर्चन के लिए भक्तों की जो भीड़ जुटना शुरू हुई, वह देर रात तक जारी रही।

गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, कचनारसिटी स्थित बड़े महादेव, जीसीएफ इस्टेट स्थित पाटबाबा मंदिर, शिव-पार्वती मंदिर भानतलैया, गौरीघाट स्थित साकेत धाम, जिलहरीघाट शिव मंदिर, बड़ा फुहारा शिव मंदिर, गंजीपुरा शिवमंदिर के अलावा शहर के अन्य मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखी गई। जहां शिवभक्तों ने भक्तिभाव के साथ भोले-भंडारी का विल्वपत्र, धतूरा तथा अन्य पूजन सामग्री के साथ अभिषेक, पूजन किया।

जगमग रोशनी से नहाए मंदिर

शिवरात्रि पर्व पर शहरभर में भक्ति भाव का नजारा दिखाई दे रहा था। नगर के शिव मंदिरों में आकर्षक विद्युत साज-सज्जा की गई जहां दिन भर शिवजी के भक्ति गीत गूंजते रहे। मंदिरों में भगवान भोलेशंकर का विशेष श्रृंगार किया गया। रूद्राभिषेक, दुग्धाभिषेक, जलाभिषेक, सहस्त्रार्चन के अलावा विविध धार्मिक अनुष्ठान प्रातः से लेकर रात के चारों पहर तक चलते रहे। इसी के साथ लोगों ने व्रत रखकर अपने घरों में विधि विधान के साथ शिवजी की पूजा अर्चन की।

निकली भोलेनाथ की बारात

भरतीपुर स्थित शिव पार्वती मंदिर में सोनकर खटीक समाज द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह समारोह पूर्वक संपन्न कराया गया। वर पक्ष कन्या पक्ष के यहां पूरी हिन्दू रीति रिवाज के साथ बारात लेकर पहुंचा। बारात में बैंड दलए धमाल पार्टियां, विविध झांकियां, नर्तन दल, भगवान शिव के विभिन्न वेशधारी नागरिकगण एवं बड़ी तादात में श्रद्धालुजन शामिल थे। बारात शहर के प्रमुख स्थलों से होते हुए शिव पार्वती मंदिर भरतीपुर पहुंची जहां पर हिन्दु रीति रिवाज के साथ द्वारचार, पारिणग्रहण संस्कार, कन्यादान आदि की रस्में पूर्ण की गई।

कचनार शिवालय में उमड़ी भीड़

शहर के शांत क्षेत्र विजय नगर के पास कचनार सिटी में स्थित बड़े शंकर जी के मंदिर में सुबह से ही भक्तों का मेला प्रारंभ हो गया था। यहां विशाल परिसर में स्थापित भोलेनाथ के अद्भुत विशाल मूर्ति और गुफा के अंदर स्थित 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करने बड़ी संख्या में लोगों का पहुंचना प्रारंभ हो गया था। ज्यों-ज्यों दिन चढ़ता गया, त्यों-त्यों भीड़ बढ़ती चली गई। दोपहर में अहिंसा चौक से पुलिस को बेरिकेट्स लगाकर वाहनों को रोकना पड़ा। अंहिसा चौक से कचनार सिटी मंदिर तक भीड़ ही भीड़ नजर आ रही थी।

शिव पंचायतन मंदिर हनुमानगढ़ी में रूद्राभिषेक

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर नर्मदा तट गौरीघाट स्थित प्राचीन सिद्ध शिव पंचायतन मंदिर हनुमानगढ़ी में शिव भक्तों द्वारा सायंकाल में महारूद्राभिषेक किया गया। मंदिर समिति के संदीप जैन ने बताया कि विगत 22 वर्षों से यहां भक्तों द्वारा भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया जा रहा है। इस पुण्य आयोजन में इस साल यज्ञाचार्य पं. राधेश्याम शर्मा शास्त्री के साथ 11 ब्राम्हणों द्वारा रूद्राभिषेक किया गया।

इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, पूर्व विधायक अंचल सोनकर, विधायक अशोक रोहाणी, विनायक लखन घनघोरिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेश सोनकर आदि शामिल रहे। इसके अलावा शहर के अन्य स्थानों से भी शिवजी की बारात धूमधाम से निकाली गई। बारात में हाथी, घोड़े, भूत-प्रेत सब शामिल थे। शिवपार्वती मंदिर प्रेम नगर पोस्ट आफिस से भी एक बारात निकाली गई. इसमें बल्लू रजक सुनील विश्वकर्मा, शेख रमजान बन्टी कहार आदि शामिल थे. बारात में भूत-प्रेत नृत्य करते चलते रहे थे तो हाथी घोड़े भी मदमस्त होकर झूम रहे थे। ''डमरू वाले बाबा चले व्याह रचाने'' ये गीत की धुनों पर बारात में शामिल श्रद्धालु भी झूम रहे थे।

गुप्तेश्वर में लगी लंबी कतारें

स्वयंभू सिद्धपीठ गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में भी महाशिवरात्रि पर्व की खासी धूम रही। यहां पर भगवान भोलेनाथ का अद्भुत श्रंगार किया गया। महादेव के दर्शन करने भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। सुबह 10 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया और शाम को पंच महाआरती की गई। कन्याओं का पूजन किया गया। इस अवसर पर एडवोकेट राजेश तिवारी, ऋषभ मिश्रा, उत्कर्ष रावत, रश्मि गुप्ता, मोहित झारिया आदि उपस्थित रहे। मार्ग के दोनों ओर पूजन सामग्री, खेल-खिलौने आदि की दुकानें सजी रहीं। शिवरात्रि के मेले का विहंगम दृश्य यहां देर रात तक बना रहा। इसके अलावा पाठबाबा मंदिर में भी काफी चहल पहल रही।

शिव मंदिर नार्बल स्कूल रोड

बड़े शंकर जी के मंदिर अन्नपूर्णा मार्केट गंजीपुरा और नार्बल स्कूल में भगवान शिव का पूजन अर्चन हुआ एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रातः काल 4 बजे महाअभिषेक हुआ और शाम 6 बजे हवन पूजन के बाद महाआरती की गई। इसके बाद देर रात तक भजनों का कार्यक्रम चलता रहा। वीरेन्द्र तिवारी और सुधीर साहू के द्वारा प्रसाद का वितरण किया गया।

बड़े महावीर में सजी अमरनाथ की झांकी

बड़े फुहारे स्थित श्री महावीर मंदिर परिसर में स्थित शिवालय में भक्तों ने बाबा अमरनाथ की झांकी सजाई थी। हवन पूजन अभिषेक के आयोजन किये गये। मंदिर को आकर्षक विद्युत साज-सज्जा से अलंकृत किया गया था। यहां की गई रंग बिरंगी विद्युत छटाओं की सजावट के बीच भजन कीर्तन के कार्यक्रम देखने व सुनने श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर खड़े रहे।

महाशिवरात्रि पर्व पर कुशवाहा समाज के युवक, युवतियों का निःशुल्क विवाह संपन्न

जबलपुर। संस्था को अपार हर्ष है कि संस्था की परम्परा अनुसार महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर कुशवाहा धाम श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर ग्वारीघाट में प्रातः महादेव का अभिषेक एवं श्री पंचमुखी हनुमान जी की आरती उपरान्त प्रसाद वितरण किया गया तथा समाज के युवक, युवतियों के विवाह आवेदन के परीक्षण उपरान्त दो जोड़े पात्र पाये गये, जिनकी अनुसंशा संबंधित क्षेत्रीय कमेटियों द्वारा निःशुल्क विवाह कराये जाने की अनुसंशा की गई, तदोपरान्त आज सामाजिक सम्मेलन कार्यक्रम में बच्चों का विवाह एवं प्रीतिभोज का आयोजन संस्था के अध्यक्ष हरगोपाल कुशवाहा, महामंत्री दीपक कुशवाहा, कोषाध्यक्ष बृजेश कुशवाहा, सचिव अशोक वर्मा, गोपाल कुशवाहा एवं जिला अध्यक्ष के.पी. कुशवाहा, सचिव अनंत कुमार कुसवाह एवं कमेटी के सभी सदस्यों ने प्रदेश अध्यक्ष बैजनाथ पटेल, उपाध्यक्ष गंगाराम पटेल, राजेन्द्र पटेल, मन्नुलाल पटेल, योगेन्द्र वर्मा, माया देवी कुशवाहा, सुशीला कनौजिया, शारदा कुशवाहा (पार्षद), रंजना मौर्य, अर्पणा कुशवाहा, सावित्री कुशवाहा, पूनम कुशवाहा, तुलसीराम कुशवाहा के मार्गदर्शन एवं सहयोग से सम्पन्न कराया गया।

नागरिकों के सहयोग से अपार सफलता की ओर बढ़ता ''दीनबंधु अभियान''

जबलपुर। भिक्षु मुक्त शहर बनाने तथा निराश्रित एवं अक्षम लोगों के पुनर्वास हेतु चलाए जा रहे "दीनबंधु अभियान" की श्रृंखला में विजन जबलपुर के सभी सदस्यों के द्वारा नगर निगम जबलपुर, जिला प्रशासन एवं पुलिस के सहयोग से चलाए जा रहे "दीनबंधु अभियान" के तहत आज माल गोदाम चौक पर जागरूकता अभियान चलाया गया। लोगों को जागरूक किया गया कि दिव्यांग, छोटे बच्चे, वृद्धजन जो भीख मांगते हैं, उन्हें भिक्षा के रूप में नकद पैसे न दें। उन्हें कपड़े दें, भोजन करवाएं तथा उनके पुनर्वास के लिए प्रयास करें। सभी नागरिकों का सकारात्मक सहयोग इस अभियान को संबल प्रदान कर रहा है, इसके लिए नागरिकों का आभार। विजन जबलपुर के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह एवं सचिव सीएस राजपूत के साथ संस्था के पूरन बहादुर, आरडी यादव, चितरंजन बांग, पीएन बातरे, आरएस ठाकुर, सुदामा प्रसाद, राजेश मलिक, मलकीत सिंह, अशोक राजपूत, गंगाराम, अरुण दुबे, बीएस राजपूत, आरके व्यास, प्रेम नारायण बातरे, बीबी मोगा, केपी साहू, विजय यादव, अनूप मजूमदार, रूप कुमार आदि उपस्थित रहे।

कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण करने ज्ञापन सौंपा

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन ने कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों के निराकरण को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राबर्ट मार्टिन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जबलपुर संभाग के कमिश्नर कार्यालय में डिप्टी कमिश्नर रेवेन्यू को ज्ञापन सौंपते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन में प्रमुख रूप से प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र सरकार के कर्मचारियों की भांति कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने, 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने, पुरानी पेंशन योजना लागू करने तथा लिपिकीय व स्टेनोग्राफर कर्मचारियों की वेतन विसंगतियां दूर करने की मांग शामिल है। साथ ही 1900 ग्रेड पे के स्थान पर 2400 ग्रेड पे के आधार पर प्रारंभिक वेतन देने की मांग की गई है। संगठन ने बी.पी.एड., सी.पी.एड. एवं एम.पी.एड. डिग्रीधारी सहायक, माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षकों को हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में व्यायाम निर्देशक/पीटीआई नियुक्त करने, शिक्षकों को नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता का लाभ देने तथा क्रमोन्नत योजना के स्थान पर समयमान वेतनमान लागू करने की मांग भी उठाई। इसके अतिरिक्त नवनियुक्त तृतीय श्रेणी कर्मचारियों को पूर्ण वेतन देने, स्टायफंड व्यवस्था समाप्त करने और पूर्व में पदस्थ कर्मचारियों को एरियर भुगतान करने की मांग की गई। संगठन पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं होने पर आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

श्री सिद्ध दुर्गा शक्ति पीठ मंदिर में सामूहिक रुद्राभिषेक किया गया

जबलपुर। श्री सिद्ध दुर्गा शक्ति पीठ मंदिर आयुषी धरा कॉलोनी सागड़ा जबलपुर में आज महाशिवरात्रि पर्व पर पंडित आचार्य राधे ने भगवान शिव का सामूहिक रूप से रुद्राभिषेक वैदिक मंत्रों के साथ विधि विधान से कराया। पूजा अर्चना में दूध, दही, शहद, भस्म, घी, नर्मदा जल, गन्ने का रस से रुद्राभिषेक कराया गया एवं बताया गया कि सृष्टि की रचना करने वाले भगवान ब्रह्मा एवं विष्णु, भगवान श्री राम ने भी भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया है। शिव भक्ति से प्राणियों का उद्धार होता है, भोलेनाथ एक लौटा जल चढ़ाने पर प्रसन्न हो जाते हैं, संसार में जब-जब घोर संकट आता है तब शिव ही अविनाशी सर्व गुणाधर सर्वज्ञ हैं जो मंगलमय शिव रूद्र अभिषेक की देन है, साथ ही ॐ नमः शिवाय, हर-हर महादेव शंभू काशी विश्वनाथ गंगे के सात नारों से शंखनाद भोग, हवन, महाआरती की गई। पूजन अभिषेक के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष जीपी दुबे, सचिव अवधेश कुमार खरे, भूपेन्द्र मिश्रा, वीपी वैश्य, राजा मिश्रा, देवेन्द्र राय, विवेक राव, आशीष जायसवाल, अजय शर्मा, जय कुमार, अभिषेक शाही, दिलीप मिश्रा, मनीष पटेल, अखिलेश साहू, पुष्पेंद्र सिंह, शालनी मिश्रा, उषा खरे, प्रभा दुबे, सविता पाठक, कुसुम खरे, राजेश्वरी वैश्य, कीर्ति आधिकारी, हेमा, रेखा, सवें, शिखा राव, मोना राय, आरती जायसवाल, ब्रजेश खरे, रक्षा शाही, संध्या पटेल, सोनू साहू, आयुषी धरा के सभी भक्तगण उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के तहत जैविक कृषि आधारित स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण संपन्न

जबलपुर। शासकीय महाकौशल कॉलेज (प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस) में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों हेतु आयोजित "जैविक कृषि आधारित स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण" का समापन किया गया।संभागीय नोडल अधिकारी प्रो. अरुण शुक्ल ने कहा कि वर्तमान समय में जैविक उत्पादों की मांग देश-विदेश में तेजी से बढ़ रही है, जिससे युवाओं के लिए रोजगार, उद्यमिता और स्टार्टअप के नए अवसर सृजित हुए हैं। उन्होंने कहा कि जैविक खेती केवल खेती नहीं, बल्कि कॅरियर, व्यवसाय और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम है।

"जैविक खेती अपनाएँ, रोजगार बढ़ाएँ" का संदेश देते हुए उन्होंने युवाओं को इस क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने कहा कि जैविक खेती युवाओं को आत्मनिर्भरता एवं स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करती है। प्रशिक्षण प्रशिक्षक डॉ. प्रज्ञा रामगिरी एवं डॉ. संज्ञा सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को बीज उपचार, पोषक तत्व प्रबंधन, कीट नियंत्रण, जैविक खाद एवं तरल उर्वरक निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में विद्यार्थियों ने जीवामृत, नीमास्त्र, धनजीवामृत, बीजामृत तथा ट्राइकोडर्मा उर्वरक तैयार करना सीखा। समापन अवसर पर लगभग 35 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

महाशिवरात्रि पर्व पर रुद्राभिषेक और लघुरुद्र स्वाहाकार यज्ञ संपन्न

जबलपुर। आदि शंकराचार्य चौक स्थित समन्वय सेवा केंद्र परिसर में विराजमान श्री अमृतेश्वर महादेव का महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि महाराज के सानिध्य में समन्वय भक्तों द्वारा पूजन और रुद्राभिषेक किया गया। साथ ही परिसर स्थित यज्ञशाला में एक कुण्डीय लघुरुद्र स्वाहाकार यज्ञ आयोजित हुआ जिसमें अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि ने महाशिवरात्रि पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिवकृपा अपरंपार है, जो जीवन से हर तरह के दुखों और अहंकार को मिटाकर शांति और सुख प्रदान करती है। महादेव के चरणों में ही सच्चा सुकून है; 'ॐ नमः शिवाय' मन्त्र का जाप जीवन की हर मुश्किल को आसान कर देता है। भोलेनाथ की कृपा से भक्तों की हर अधूरी इच्छा पूरी होती है और वे प्रेम व सुरक्षा का अनुभव करते हैं। कार्यक्रम में डॉक्टर कैलाश गुप्ता, ज्ञान सनोरिया, उमाकांत मालवीय, डॉक्टर भारत पवार, देवेंद्र विश्वकर्मा, संदीप पांडे, डॉ. राजेंद्र नेमा, एडवोकेट अशोक तिवारी आदि भक्तजनों की उपस्थिति रही।

यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल के स्काउट्स-गाइड्स ने वीर जवानों को दी श्रद्धांजलि

जबलपुर। देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलवामा के वीर सपूतों की स्मृति में यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल के स्काउट्स-गाइड्स द्वारा एक भव्य कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। कार्यक्रम भारत स्काउट्स एंड गाइड्स जिला संघ जबलपुर के तत्वावधान में संपन्न हुआ। विद्यालय परिसर से प्रारंभ हुए कार्यक्रम में स्काउट्स एवं गाइड्स पूर्ण गणवेश में एकत्रित हुए और शहीदों की स्मृति में मौन रखा। इसके बाद हाथों में जलती मोमबत्तियाँ लिए छात्र-छात्राएँ अनुशासित पंक्तियों में राष्ट्रभक्ति नारों के साथ सदर क्षेत्र की ओर अग्रसर हुए। "अमर शहीद अमर रहें", "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम्" के नारों से वातावरण गूंज उठा।कैंडल मार्च का समापन वार मेमोरियल शहीद स्मारक पर हुआ, जहां शहीदों के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर दो मिनट का मौन रखा गया तथा पुष्पांजलि अर्पित की गई। उपस्थित जनसमूह ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर वीर जवानों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। इस अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त ललित कुमार मिश्रा एवं जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। जिला मुख्य आयुक्त डॉ. विजयकांत तिवारी ने कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स संगठन सदैव राष्ट्रहित में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है और आगे भी निभाता रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में राहुल राजपूत, अतुल श्रीवास्तव, किरण येवले, अंकिता तिवारी, रीना कोरी, रिंकू शाह एवं नयन विश्वकर्मा का विशेष सहयोग रहा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में 35 गाइड्स एवं 42 स्काउट्स ने सहभागिता कर राष्ट्र के प्रति अपनी अटूट निष्ठा व्यक्त की। आयोजन ने यह संदेश दिया कि देश के वीर सपूतों का बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा और युवा पीढ़ी उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रतिबद्ध है।

महर्षि विद्या मंदिर विजयनगर में पार्थिव शिवलिंग व महारुद्राभिषेक का आयोजन

जबलपुर। महर्षि विद्या मंदिर विजयनगर जबलपुर में 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व महोत्सव का आयोजन किया गया। महर्षि विद्या मंदिर विजयनगर के प्राचार्य श्रीकांत सोनी के मार्गदर्शन में जगत के कल्याण एवं स्थाई शांति की स्थापना के उद्देश्य से पार्थिव शिवलिंग व महारुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अभिभावक, विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं महारुद्र अभिषेक किया।